

राजघाट पर गूंजा बापू का स्मरण, कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश भर में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। इस अवसर पर राजधानी दिल्ली के राजघाट स्थित गांधी समाधि पर भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां देश के तमाम विख्यात नेताओं ने पहुंचकर बापू को नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने दी
श्रद्धांजलि

गांधी जयंती के इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उनके साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी राजघाट पहुंचकर गांधी समाधि पर पुष्प अर्पित किए और राष्ट्रपिता को नमन किया। इस दौरान राजघाट पर एक विशेष



सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने प्रार्थना कर बापू के सत्य और अहिंसा के संदेश को याद किया।



बड़े चेहरे शामिल हुए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बापू की समाधि पर पुष्प



तारणजीत सिंह संधू ने भी राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया और

सर्वधर्म प्रार्थना सभा में शामिल हुई।

सोशल मीडिया पर नेताओं के संदेश देश के विभिन्न नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से महात्मा गांधी को याद किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सत्य और अहिंसा के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण की यात्रा को प्रेरित करते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस की शुभकामनाएं दीं और बापू के सादगीपूर्ण जीवन को याद किया। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी शोशल मीडिया पोस्ट के जरिए राष्ट्रपिता के स्वदेशी और स्वराज के विचारों को सदियों तक प्रेरणा देने वाला बताया।

एक नजर

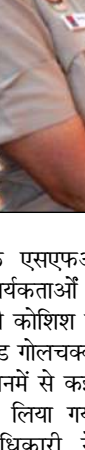
**महिलाओं का हक के लिए आवाज
उठाना जरूरी : श्रीश्री रविशंकर**

नई दिल्ली, एन०सी। भारतीय आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर ने महिलाओं के अधिकारों और समाज में उनकी भूमिका को लेकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि महिलाओं का अपने हक के लिए आवाज उठाना समाज में एक बहुत जरूरी और सकारात्मक बदलाव ला रहा है। श्री श्री रविशंकर ने अपने पोस्ट में पुरुषों से महिलाओं के प्रति अपने नजरिए में बदलाव लाने की अपील की है। उन्होंने कहा, 'पुरुषों को महिलाओं का सम्मान करना चाहिए, उनके प्रति ज्यादा संवेदनशील होना चाहिए और उन्हें सिर्फ एक 'वस्तु' की तरह नहीं देखना चाहिए। आध्यात्मिक गुरु ने इस बात पर जोर दिया कि सम्मान और संवेदनशीलता की यह भावना बचपन से ही विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह संस्कार किशोरावस्था से ही मन में बिठाया जाना चाहिए ताकि बड़ा होकर युवा एक संतुलित और सम्मानजनक सोच के साथ समाज में आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि आज के युवा पुरुषों को अपनी भावनाओं को सही तरीके से संभालना सीखना होगा। उन्होंने लिखा, युवा पुरुषों को काम-वासना, गुस्से और दूसरी तीव्र भावनाओं को सही और स्वस्थ तरीके से संभालने और उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने का तरीका भी सीखना चाहिए। उन्होंने एकांते एक कुछ व्यावहारिक उपाय भी सुझाए। श्री श्री रवि शंकर के अनुसार, संगीत, नृत्य, शारीरिक व्यायाम, योग और ध्यान जैसे अल्पसंख्यक युवाओं को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने में काफी मदद कर सकते हैं। ये गतिविधियां न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखती हैं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होती हैं।

कांग्रेस सांसदों ने कहा- ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा

नई दिल्ली, एंजेसी। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने मोर्चा खड़ा किया है और इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार पर मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में जो स्थिति बनी हुई है, उसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) द्वारा किए गए काम को लेकर लोगों में विश्वास नहीं है। चुनाव प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने बंगाल, असम, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि यहां के चुनाव को चोरी किया गया। ऐसे में आंदोलन करना स्वाभाविक है। लोगों के मन में चुनाव आयोग और ज्ञानेश कुमार पर भरोसा नहीं है। इस्तीफा, विवाद की लड़ाई जारी रहेगी, क्योंकि हुए ऐसी सरकार है जो लोकतंत्र को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, तब तक विवाद रुकने वाला नहीं है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भी ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए। दरभंगा में मीडिया से बातचीत के दौरान पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी जो तीन साल से वोट चोरी का आरोप लगा रहे थे, वह अब दुनिया के सामने है। उन्होंने दिल्ली के कुछ मेट्रो स्टेशन के बंद होने पर तंज करते हुए कहा कि गांधी जयंती के दिन दिल्ली में मेट्रो स्टेशन कई घंटों के लिए बंद कर दिए गए। आम आदमी से उसके आजादी के 11 घंटे छिन लिए गए। उन्होंने दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध का मुद्दा उठाते हुए कहा कि दिल्ली में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। जिस देश में संविधान सुरक्षित नहीं है और आम आदमी के वोट देने के अधिकार पर सवाल उठ रहे हैं, वहां लोकतंत्र को लेकर चिंता स्वाभाविक है। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में उड़ी ही गठबंधन लगातार 'वोट चोरी' के मुद्दे को उठा रहा है।

नई दिल्ली, एंजेंसी। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर मुख्य निवाचन आयुक्त (सीईसी) के विधिलाप प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं सीएस भारद्वाज, संजीव झा, आशीष और संजय सिंह के साथ-साथ कुत्ता खर्रात संगठनों के कार्यकर्ताओं सहित 700 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। राजनीति दल और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) तथा अन्य संगठनों के सदस्य मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनविमताओं और बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर मुख्य निवाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थल पर किसी भी अनधिकृत जमावड़े को रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और अपराध सुरुशा क्रमियों को तैनात किया गया है। पुलिस ने कहा कि उसने आप नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को नॉर्थ एवेंयू-8 से रोक दिया, जिससे वह प्रदर्शन स्थल की ओर नहीं बढ़ सके। भारद्वाज ने एएस पर एक पोस्ट में कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद उन्हें और झा को हिरासत में लिया गया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील कर जारी रखने और जंतर-मंतर पहुंचने का आग्रह किया। पुलिस के एक सूत्र ने बताया



कि एसएफआई के करीब 700 कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पहुंचने को की कोशिश की और उन्हें अशोक रोड गोलचक्कर पर रोक दिया गया, जिनमें से कई लोगों को हिरासत में ले लिया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि आप नेताओं, आइसा, एसएफआई और अन्य छात्र संगठनों सहित लगभग 700 प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर और उसके आसपास से हिरासत में लिया गया। पहले एक अन्य अधिकारी ने बताया था कि करीब 150 लोगों को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शन स्थल और आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दी गई हैं। पुलिस ने जंतर-मंतर और उसके आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं, अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है और प्रदर्शनकारियों को स्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर बैरिकेड लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस के जवान भी बार-बार सार्वजनिक घोषणा कर रहे थे और लोगों से जंतर-मंतर पर इकट्ठा न होने के लिए कह रहे थे।

नई दिल्ली में धारा 163 लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट जो जंतर-मंतर पर प्रवेश का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी, लेफ्ट पट्टाई और युथ कांग्रेस समेत कई संघटना ने इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। इसके बाद दिल्ली पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है और एहतियात के तौर पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता धारा 163 लागू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए नई दिल्ली के विवीआरसी इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों के हजारों जवानों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही स्यूथ और हरियाणा बॉर्डर पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की अश्रिय घटना को रोकना जा सके। दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर जानकारी के कि प्रशासन ने एहतियत के तौर पर नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बोपनसरसस), 2023 की धारा 163 लागू कर दी है। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस में सूचना कहा गया है कि जन-सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ट्रैफिक की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यह निषेधाज्ञा लागू की गई है।

क्योंकि विरोध स्थल पर किसी भी सभा की अनुमति नहीं दी गई थी। एसएफआई की महासचिव आइशी घोष ने कहा कि डीवाईएफआई और एसएफआई के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

घोष ने कहा, पुलिस राजधानी में अपराधों को रोकने में सक्षम नहीं है, लेकिन जब ज्ञानेश कुमार जैसे किसी व्यक्ति की सुरक्षा की बात आती है,

तो वे सड़कों पर उतर आते हैं।
उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र नहीं है।
अगर पुलिस को लगता है कि वे हमें
हिरासत में लेकर आंदोलन को रोक
सकते हैं, तो हम उन्हें बताना चाहते
हैं कि यह तो सिर्फ शुरूआत है।
आइसा कार्यकर्ताओं ने आरोप
लगाया कि पुलिस ने हिरासत के
दौरान महिलाओं सहित
प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल

प्रयोग किया। जंतर-मंतर के पास हिरासत में लिए जाने के दौरान संगठन के एक सदस्य ने कहा, 'चाहे आप कितनी भी लाठियाँ बरसाओ या हममें से कितने लोगों को जेल में डाल दो, ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा।' एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ समेत कई कार्यकर्ताओं को भी मौके से हिरासत में लिया गया।

जाखड़ को संगठन के कार्यालय से जंतर-मंतर की ओर पैदल मार्च के दौरान हिरासत में लिया गया। उन्होंने द्वापसकल्ल पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि एनएसयूआई के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं पर पुलिस कार्रवाई की गई थी।

जाखड़ ने कहा, 'लोगों के वोटों की आवाज को किसी भी ताकत से दबाया नहीं जा सकता।'

' उन्होंने कहा कि संगठन का 'लोकतंत्र के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष' जारी रहेगा। प्रदर्शन स्थल से

एनएसयूआई के भी कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शनकारियों को फिरोजशाह रोड पर बैरिकेड लांचते हुए भी देखा गया। एक वीडियो संदेश में भारद्वाज ने कहा कि पुलिस ने उन्हें बताया कि, लेकिन को अनुमति नहीं दी गई थी, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि जब जंतर-मंतर एक निर्धारित प्रदर्शन स्थल है तो लोकतंत्र में प्रदर्शन करने के लिए अनुमति की क्या आवश्यकता है।

भारद्वाज ने यह भी कहा कि पार्टी ने करीब एक हफ्ते पहले प्रदर्शन की अनुमति मांगने के लिए पत्र सौंपे थे। भारद्वाज ने कहा, हम अपनी चिंताओं को उठाने के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर के पास के कई मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निकटवर्ती खुले मेट्रो स्टेशन तक यात्रा करें और यदि संभव हो तो पैदल चलकर प्रदर्शन स्थल तक पहुंचें।

वायुसेना की 'तरंग शक्ति' की रफ्तार, आसमान में दिखा साझेदारी का दम



दलों, अभियान योजनाकारों और जमीन पर काम करने वाले कर्मियों के बीच पेशेवर संवाद भी हो रहा है। इसके अलावा संगोष्ठी, औद्योगिक भ्रमण, विरासत स्थलों का दौरा, योग और अन्य गतिविधियों के जरिए भाग लेने वाले देशों के कर्मियों को एक-दूसरे को करीब से समझने का अवसर मिल रहा है।

अध्यास की खास तस्वीर जमीन और आसमान दोनों जगह दिखाई दे रही है। अध्यासियों के वायु योद्धा यहां आपस में संवाद संपर्क कर रहे हैं। वायुसेना के अधिकारी अनुभव साझा करने के साथ ही पेशेवर संबंध भी मजबूत कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर भारतीय आसमान में अलग-अलग देशों के लड़ाकू विमान तेज गति से उड़ान भरते हुए संयुक्त प्रशिक्षण अभियानों में हिस्सा ले रहे हैं। हवाई सुरक्षा में शक्तिशाली यानी पावर इन पार्टनरशिप इस अध्यास की मुख्य भावना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पायलट स्मित मच्छर से की बात, कैप्टन ने साझा किए अपने अनुभव



नई दिल्ली, एंजेंसी।
 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय
 पायलट स्मित मच्छार से बात की
 है। उन्होंने स्मित मच्छार से
 उनका हालचाल जाना और
 जल्द स्वस्थ होने की कामना
 की। पीएम मोदी ने कहा कि
 आपने अपने जीवन की परवाह
 नहीं की, बल्कि यात्रियों के
 जीवन की परवाह की। सबसे
 बड़ी बात यह है कि आपने 140
 करोड़ देशवासियों का मान
 बढ़ाया है।

पीएम मोदी ने स्मित से कह के पूरा देश आपके लिए प्रार्थन कर रहा है। महामृत्युंजय के जा चले रहे हैं। आपकी हिम्मत, धैर्य और सृष्टबुद्धि ने लोगों की जान बचाई है। आज पूरा देश गर्व से कह सकता है कि हम हिंदुस्तान जान लेने वाले लोग नहीं हैं, बल्कि जान बचाने वाले लोग हैं।

उन्होंने कहा, 'आपके शरीर पर इतना बड़ा घाव हुआ और

स्वयं जीवन और मृत्यु की लड़ाई लड़ रहे थे। उस समय भी आपने अपने जीवन की परवाह नहीं की, बल्कि यात्रियों के जीवन की परवाह की। सबसे बड़ी बात यह है कि आपने 140 करोड़ देशवासियों का मान बढ़ाया है। इसलिए मैं हृदय से गर्व अनुभव करता हूँ।

स्मित के परिजनों से बातचीत का जिफ्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे कल भूपेद्र भाई और गीताबेन से बात करने का अवसर मिला। मैंने गीताबेन को बोला कि आपका

नाम गीता है, लेकिन आपने कृष्ण की गीता को पूरी तरह बचा दिया। आपने साक्षात गीता के संस्कारों से स्मित का जीवन बनाया।

इस दौरान, प्रधानमंत्री मोदी से बात करते हुए पायलट स्मित भावुक हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री को अपना सबसे बड़ा 'आइडल' बताया। स्मित मछरार ने कहा, 'आप मेरी सबसे बड़े 'आइडल' हैं।' आप काल करके मेरी होसला अफजाई कर रहे हैं, मुझे बहुत गर्व हो रहा है।

स्मित ने पीएम मोदी से कहा
'मैंने कभी नहीं सोचा था कि
आपसे मेरी बात होगी। स्मित के
भावुक होने पर पीएम मोदी ने
कहा, आपसे इतना बड़ा काम
किया है कि हर देशवासी और पूरे
दुनिया लोग आपको देखने, आपसे
बात करने के लिए आतुर हैं
आपने सचमुच में पूरे देश का नाम
रौशन किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत आपका स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक है। उन्होंने कहा 'अगर ऐसा (आप सभी की जान न बचाते) न करते तो पता नहीं पूरे देश और भारत के पायलटों पर क्या-क्या बीतती। सभी पायलटों को किस तरह से देखा जाता आपने सभी को बचा लिया है।

इस दौरान, पीएम मोदी ने सऊदी और यूएई सरकार का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन सरकारों ने स्मित की बहुत देखभाल की।

अमदाबाद में VB-G RAM G अधिनियम 2025 पर पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण आयोजित

मो. फिरोज आलम

गुजरात: अमदाबाद ग्रामीण विकास विभाग की ओर से अमदाबाद स्थित मनरेगा भवन में VB-G RAM G अधिनियम 2025 विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के पंचायत मुखिया एवं पंचायत सेवकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों को अधिनियम एवं उससे जुड़े प्रावधानों की जानकारी देना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों द्वारा पंचायत स्तर पर योजनाओं के संचालन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, विकास कार्यों की प्रक्रिया, लाभकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने, अभिलेखों के संधारण तथा कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने को लेकर पंचायत



प्रतिनिधियों और कर्मियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मौजूद पंचायत मुखिया एवं पंचायत सेवकों को बताया गया कि ग्रामीण विकास की योजनाओं को धरातल पर प्रभावी तरीके से लागू करने में पंचायत स्तर की महत्वपूर्ण भूमिका है। योजनाओं के क्रियान्वयन में नियमों एवं निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के साथ-साथ आम लोगों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना भी आवश्यक है।

प्रशिक्षण के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से भी विभिन्न बिंदुओं पर सवाल पूछे गए, जिनका संबंधित अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों द्वारा जवाब दिया गया। प्रतिभागियों को योजनाओं से

संबंधित प्रक्रियाओं, जिम्मेदारियों और पंचायत स्तर पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान इस बात पर भी जोर दिया गया कि ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे और पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में किसी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे। इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय को महत्वपूर्ण बताया गया। एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम के माध्यम से पंचायत मुखिया एवं पंचायत सेवकों को VB-G RAM G अधिनियम 2025 से जुड़े

प्रावधानों और ग्रामीण विकास व्यवस्था में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों ने प्रशिक्षण के दौरान दी गई जानकारीयों को पंचायत स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने तथा ग्रामीण विकास योजनाओं को अधिक पारदर्शी और बेहतर तरीके से संचालित करने की दिशा में कार्य करने की बात कही। अमदाबाद मनरेगा भवन में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पंचायत स्तर पर ग्रामीण विकास योजनाओं की समझ बढ़ाने और उनके प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया।

तिलकेजा प्रधानमंत्री आवास योजना में हुआ कथित फजीर्वाड़ा

तकनीकी सहायक बर्खास्त और पंचायत सचिव हुए निलंबित

अरसद अली

छत्तीसगढ़: प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में कथित वित्तीय अनियमितता और फर्जी प्रविष्टियों के मामले में कोरबा जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। ग्राम पंचायत तिलकेजा में सामने आए मामले में जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन के निर्देश पर तकनीकी सहायक को बर्खास्त किया गया है, जबकि पंचायत सचिव को निलंबित कर जनपद पंचायत मुख्यालय से अटैच किया गया है। मामले में पुलिस ने छह नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है। मामला आरटीआई कार्यकर्ता और पत्रकार जितेंद्र कुमार साहू की शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उन्होंने दस्तावेज और अन्य साक्ष्य प्रशासन के सामने पेश किए थे। इसके बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच के लिए समिति गठित की।

जांच में सामने आए दस्तावेजों के अनुसार, 18 जुलाई 2024 को



तिलकेजा में आयोजित विशेष ग्राम सभा में 214 नामों का सार्वजनिक वाचन किया गया था। आरोप है कि इस दौरान सरकारी कर्मचारियों, पक्के मकान वाले लोगों और पहले से लाभ प्राप्त कर चुके 66 लोगों को अपात्र मानते हुए सूची से बाहर किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बाद में तैयार की गई कार्यवाही में इन अपात्र लोगों को दोबारा पात्र दर्शाया गया। आरोप है कि 23 जून 2026 को प्रधानमंत्री आवास योजना के पोर्टल पर कई अपात्र लोगों और अन्य व्यक्तियों के नाम से प्रविष्टियां

की गईं। शिकायत के मुताबिक, 48 से अधिक खातों में 40 हजार रुपये प्रति हितग्राही की दर से पहली किस्त जारी की गई। जांच समिति ने संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद अब पुलिस जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कथित फजीवाड़े में किन-किन लोगों की भूमिका थी और सरकारी राशि के लेन-देन में क्या अनियमितताएं हुईं। फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

पंचायत सचिव से 48 खातों की पासबुक, पहचान पत्र और मूल्य रजिस्टर समेत अन्य रिकॉर्ड प्रस्तुत करने को कहा गया था। पुलिस और प्रशासन के मुताबिक, निर्धारित समय पर जवाब नहीं मिलने और जांच में सहयोग नहीं करने के बाद पंचायत सचिव नवीता दुबे को निलंबित कर दिया

हाजी मोइनुद्दीन का स्वागत, निंबाहेड़ा के 29 हज यात्रियों को रुबात सुविधा दिलाने की तैयारी

सहीदुरहमान

राजस्थान: टोंक निंबाहेड़ा से हज के मुकद्दस सफर पर जाने वाले 29 आजमीन-ए-हज को टोंक रुबात की सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के तहत उनके आवश्यक दस्तावेज टोंक स्थित रुबात के जिम्मेदार हाजी मोइनुद्दीन के कार्यालय में जमा करए गए। इस दौरान हज खिदमत कमेटी निंबाहेड़ा की ओर से हाजी मोइनुद्दीन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कमेटी के पदाधिकारियों ने हाजी मोइनुद्दीन को 21 किलो की फूलों की माला पहनाने के साथ मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही नगर परिषद टोंक के चुनाव में पार्षद पद पर चयनित होने पर उन्हें मुबारकबाद भी दी गई।

कार्यक्रम में हज यात्रियों की



सुविधा के लिए रुबात व्यवस्था में सहयोग के लिए हाजी मोइनुद्दीन का आभार जताया गया। इस दौरान हज गाइडेंस सोसायटी टोंक से जुड़े हाजी मुश्ताक, मोहम्मद असलम अंसारी और जमील अहमद का भी साफा पहनाकर और गुलपोशी कर स्वागत किया गया।

रुबात से हज यात्रियों को आर्थिक राहत

पदाधिकारियों के अनुसार, टोंक रुबात की सुविधा मिलने से एक हाजी को करीब 80 हजार रुपये तक की आर्थिक राहत मिल सकती है। इसके अलावा मुकद्दस सफर के दौरान ठहरने की व्यवस्था के लिहाज से भी रुबात को हज यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण बताया गया।

बताया गया कि टोंक रुबात का संबंध टोंक रियासत के

ऐतिहासिक दौर से जुड़ा है। करीब एक सदी पहले टोंक के नवाब की ओर से मक्का-मदीना जाने वाले हाजियों की सुविधा के लिए रुबात की व्यवस्था किए जाने की जानकारी दी गई। इसका लाभ टोंक, निंबाहेड़ा, पोंडावा, सिरोंज समेत पूर्व टोंक रियासत से जुड़े क्षेत्रों के हज यात्रियों को मिलता रहा है।

कमेटी पदाधिकारियों ने हज यात्रियों की सेवा को नेक कार्य बताते हुए सभी सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि हज यात्रा 2027 पर जाने वाले सभी आजमीन-ए-हज को रुबात की सुविधा का लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम में हज खिदमत कमेटी निंबाहेड़ा के सदर मतलूब सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

हिसार में बाइक चोरी के दो मामलों में

आरोपी गिरफ्तार, चोरीशुदा बाइक बरामद

राजपूत रंजीत

हरियाणा: हिसार पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है, जबकि दूसरे आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक हिसार सिद्धान्त जैन, आईपीएस के निदेशानुसार चौकी सूर्यनगर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में शिवम पुत्र चिन्देश निवासी तोशाम रोड, हिसार को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, सातरोड़ कलां निवासी मोहित ने 18 अगस्त 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी HF Deluxe मोटरसाइकिल नंबर HR-15-F-3570, 12 अगस्त



को महावीर कॉलोनी नहर के पास से चोरी हो गई थी। शिकायत के आधार पर थाना HTM हिसार में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी शिवम को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद

की। आरोपी को चौकी 12 क्वार्टर पुलिस के हवाले किया गया, जहां से उसे नियमानुसार न्यायालय में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को जेल भेज दिया।

वहीं, चौकी अर्बन एस्टेट हिसार पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक अन्य मामले में ईश्वर सिंह पुत्र वीर सिंह निवासी गांव

फुटाकी, जिला अलवर को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर 2025 को अर्जुन पुत्र हेम बहादुर निवासी अर्बन एस्टेट हिसार ने शिकायत दी थी कि उसकी Hero Splendor Plus मोटरसाइकिल नंबर HR-20-AY-7949 कृष्णा नगर स्थित रिलायंस फ्रेश के पास पार्किंग से चोरी हो गई थी। शिकायत के आधार पर थाना अर्बन एस्टेट में धारा 305 इटर के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मामले की जांच उप निरीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा की गई। पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर नियमानुसार न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। हिसार पुलिस का कहना है कि वाहन चोरी में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और चोरीशुदा वाहनों की बरामदगी के प्रयास लगातार जारी हैं।

ब्रह्माकुमारीज केंद्र पर बीके नायब भाई का हुआ

भक्त्य स्वागत, आध्यात्मिक जीवन का दिया संदेश

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: रामपुर मनिहारन प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के रामपुर मनिहारन केंद्र पर माउंट आबू, मधुबन से पधारे बीके नायब भाई जी का भाई-बहनों ने आत्मीय स्वागत किया। केंद्र प्रभारी बीके संतोष दीदी ने तिलक, माला और गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद केंद्र पर मौजूद भाई-बहनों ने भी फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया।

गुरुवार होने के कारण केंद्र पर बाबा का भोग और अमृत वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। बीके नायब भाई जी ने सभी भाई-बहनों को बाबा का भोग कराया



और अमृत वितरित किया। इस दौरान उन्होंने सभी को प्रेमपूर्वक बाबा की दृष्टि दी, जिससे केंद्र का वातावरण आध्यात्मिक उमंग और शान्ति से भर गया। अपने संबोधन में बीके नायब भाई जी ने कहा कि

आध्यात्मिक जीवन केवल ज्ञान सुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे अपने व्यवहार और जीवन में अपनाना ही सच्ची सफलता है। उन्होंने नियमित राजयोग अभ्यास, आत्मिक स्मृति, पवित्रता,

सकारात्मक चिंतन और सेवा-भाव को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों को बदलने से पहले मन की स्थिति को शक्तिशाली बनाना जरूरी है। परमात्म स्मृति में रहकर हर परिस्थिति को सीख और सेवा का अवसर समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्ची आध्यात्मिकता व्यक्ति के बोल, व्यवहार, संबंधों और कर्मों में दिखाई देनी चाहिए। कार्यक्रम में बीके सुशील भाई, बीके कविता बहन, महेंद्र पांचाल, कर्मवीर, राजकुमार, बीके जितेंद्र भाई, ओमप्रकाश, बीके सचिन भाई, जगपाल सिंह, सोनू भाई, पवन रोहिल्ला सहित अनेक भाई-बहन मौजूद रहे।

कैथल साइबर सेल ने 46 गुम मोबाइल फोन ढूँढे, मालिकों को लौटाए गए

राजपूत रंजीत

हरियाणा: कैथल साइबर सेल ने 46 गुम मोबाइल फोन ढूँढे, मालिकों को लौटाए गए। हरियाणा: कैथल पुलिस की साइबर सेल ने सितंबर माह में कार्रवाई करते हुए लोगों के गुम हुए 46 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक बरामद मोबाइल फोन की कुल कीमत करीब 7.35 लाख रुपये से अधिक है। पुलिस लाइन कैथल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीएसपी सुशील प्रकाश ने मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, साइबर सेल प्रभारी एएसआई राकेश के नेतृत्व में एएसआई रणदीप सिंह, हेड कॉन्स्टेबल दीपक, हेड कॉन्स्टेबल अरुण, कॉन्स्टेबल मोनू और अजय



वीर की टीम ने तकनीकी सुरागों के आधार पर गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस किया। मोबाइल वापस मिलने पर मालिकों ने कैथल पुलिस का आभार जताया और साइबर सेल टीम के

प्रयासों की सराहना की।

डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि जिला साइबर सेल सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज मोबाइल गुम होने की शिकायतों की लगातार निगरानी करती

है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराने के बाद संबंधित मोबाइल का क्टएक नंबर ब्लॉक किया जा सकता है। मोबाइल

फोन ट्रेस होने पर शिकायतकर्ता को इसकी जानकारी दी जाती है।

एसपी मनप्रती सिंह सूदन ने साइबर सेल की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि गुम मोबाइल फोन की बरामदगी से लोगों को उनके कीमती सामान वापस मिल रहे हैं और इनके गलत इस्तेमाल की संभावना भी कम होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में बिना देरी किए सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाएं, ताकि मोबाइल को ब्लॉक करने के साथ उसे जल्द ट्रेस किया जा सके। कैथल पुलिस ने लोगों से साइबर अपराधों से बचाव के लिए गुम या चोरी हुए मोबाइल की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

आगरा में रक्तविरोध प्रदर्शन के बाद कार्रवाई पर अमरजीत यादव ने जताया विरोध

अमरजीत यादव

उत्तर प्रदेश: आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पैतृक आवास के बाहर रक्त के विरोध में हुए प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं समेत अन्य लोगों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर समाजसेवी और राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने विरोध जताया है। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को असंवैधानिक बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

अमरजीत यादव ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराने के लिए संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना नागरिकों का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान गेट पर नारे लिखने और प्रदर्शन करने की घटना में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में कार्रवाई की गई, जो उनके अनुसार उचित नहीं है।

बताया गया कि आगरा पुलिस ने मामले में

मुकदमा दर्ज कर उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन महासचिव अनिल यादव, मथुरा जिलाध्यक्ष मुकेश धनकड़ समेत अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

अमरजीत यादव ने कहा कि यदि प्रदर्शन के दौरान कानून का उल्लंघन हुआ है तो उसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी के लिए लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मामले की पूरी जांच कर तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की। अमरजीत यादव ने कहा कि गिरफ्तार नेताओं की रिहाई तक सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से लोकतांत्रिक तरीके से विरोध और आंदोलन जारी रखने की बात कही जा रही है।



राज्यपाल से गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेदम ने मुलाकात की

जयपुर, एजेंसी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को लोकभवन पहुंचकर प्रदेश के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेदम ने मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर संवाद भी किया।

कोटा शहर में सहायक उप निरीक्षक 15 हजार रुपये रिश्तत लेते रहे

हाथों गिरफ्तार



कोटा, एजेंसी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की आसूचना इकाई, कोटा द्वारा आज कार्रवाई करते हुए आरोपी रविन्द्र यादव, हाल सहायक उप निरीक्षक, थाना भीमगंजमण्डी, जिला कोटा को परिवारी एवं सहपरिवारी से थाना भीमगंजमण्डी में दर्ज प्रकरण में परिवारी द्वारा लिखाये गये नाम हटाने की एवज में 15 हजार रुपये रिश्तत लेते रहे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की आसूचना इकाई, कोटा को एक शिकायत इस आशय की प्राप्त हुई कि आरोपी द्वारा थाना भीमगंजमण्डी में दर्ज प्रकरण में परिवारी एवं उसके माता-पिता के नाम हटाने की एवज में 35 हजार रुपये रिश्तत राशि पूर्व में प्राप्त करने के बाद 30 हजार रुपये रिश्तत राशि की मांग कर परिवारी को परेशान किया जा रहा है। जिस पर ओमप्रकाश मीणा, उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, कोटा रेंज, कोटा के पर्यवेक्षण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की आसूचना इकाई, कोटा की उप अधीक्षक पुलिस चन्द्रकंवर के नेतृत्व में आज कार्रवाई करते हुए आरोपी रविन्द्र यादव, हाल सहायक उप निरीक्षक, थाना भीमगंजमण्डी, जिला कोटा को परिवारी से 15 हजार रुपये रिश्तत राशि लेते रहे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस परिमला के पर्यवेक्षण में आरोपी से पूछताछ तथा अग्रिम कार्रवाई जारी है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

किसी व्यक्ति के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में प्रकरण दर्ज होने की जानकारी मिले, तो प्रकरण की वस्तुस्थिति एवं उपलब्ध तथ्यों की जानकारी हेतु भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार औपचारिक रूप से सीधे संपर्क कर अपना पक्ष/स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर सकता है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा दोष सिद्ध होने से पूर्व, तथ्यों एवं प्रस्तुत स्पष्टीकरण का परीक्षण कर नियमानुसार ही अग्रिम कार्रवाई की जाती है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के टोल फ्री नम्बर 1064 एवं व्हाट्सएप हेल्पलाईन नम्बर 94135-02834 पर 24x7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी सहायता करेगी।

‘रोजगार के विविध अवसर एवं चुनौतियाँ’ विषय पर कार्यशाला का आयोजन



जयपुर, एजेंसी। शहर बाबा गंगादास राजकीय महिला महाविद्यालय, शाहपुरा में 30 सितंबर गुरुवार को प्राचार्य प्रो. नरेश कुमार मीना की अध्यक्षता में आयोजित एन.एस.एस. एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में ‘रोजगार के विविध अवसर एवं चुनौतियाँ’ विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी प्रकाश चन्द्र ढबास ने बताया कि मुख्य वक्ता के रूप में संयुक्त निदेशक संभागीय रोजगार कार्यालय नवरेखा उपस्थित रही। नवरेखा ने उपस्थित एन.एस.एस. स्वयंसेविकाओं एवं छात्राओं को रोजगार से संबंधित अवसरों एवं इस दौरान आने वाली चुनौतियों से सामना करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पुरातन भारतीय ज्ञान परम्परा को रोजगार सम्मत बताते हुए वर्तमान ए.आई के दौर में रोजगार के नये अवसरों की तरफ ध्यान देने की जरूरत पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिला रोजगार अधिकारी चन्द्र प्रकाश मीणा तथा कौशल समन्वयक, जयपुर ग्रामीण राहुल यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर एन एस एस के आगामी सप्ताह में होने वाले एक दिवसीय कैम्प के लिए संयुक्त निदेशक नवरेखा को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रण पत्र भी महाविद्यालय प्रशासन और एन. एस. कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्रोफेसर प्रकाश चंद ढबास एवं एन. एस. एस. स्वयंसेविकाओं द्वारा सौंपा गया।



सरकार की योजनाओं को गांव-ढाणी और हर परिवार तक पहुंचाएं कार्यकर्ता,

‘मेरा बूथ, सबसे मजबूत’ के मंत्र के साथ जुटें : भजनलाल शर्मा

जोधपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में जोधपुर और फलोदी जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार प्रदेश के विकास को नई गति दे रही है। जोधपुर के 7 में से 6 निकायों और फलोदी के दोनों निकायों में भाजपा ने जीत दर्ज की है। निकाय चुनावों का यह परिणाम जनता का

सरकार के कार्यों पर विश्वास प्रदर्शित करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नए संकल्प और जोश के साथ पंचायत चुनावों की तैयारी में जुटने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता के लिए राष्ट्र सेवा प्रथम है। इसलिए कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-ढाणी और हर परिवार तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जोधपुर संभाग के समग्र विकास के लिए सरकार द्वारा पौने तीन वर्षों में

61,671 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को गति दी गई है। इसी प्रकार जोधपुर जिले में करीब 7,000 करोड़ रुपये तथा फलोदी जिले में 2,023 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता ड्राइव, रक्तदान शिविर और एक पेड़ मां के नाम जैसी गतिविधियों में कार्यकर्ताओं से बढ़-चढ़कर भागीदार बनने का आह्वान किया।

वित्तीय अनुसंधान और संपत्ति जल्दी की कार्रवाई को दी जाए गति: वी. श्रीनिवास

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। इसके आधार पर कार्य-योजना बनाकर धरातल पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में 12वीं राज्य स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनकोर्ड) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने विभागीय विजन डॉक्यूमेंट और एक्शन प्लान शीघ्र प्रस्तुत करें।

उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति के इस व्यापक अभियान को चार प्रमुख रणनीतिक स्तंभों प्रवर्तन (आसूचना एवं संचालन), पूर्ववर्ती और सिंथेटिक ड्रग नियंत्रण, मांग एवं हानि न्यूनीकरण तथा क्षमता निर्माण एवं समन्वय के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

ड्रग फ्री शिक्षण संस्थाएं बनेंगे- श्रीनिवास ने कहा कि युवा



प्रदेश का भविष्य हैं और उन्हें नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को सुरक्षित और व्यसनमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए स्कूलों और कॉलेजों/विश्वविद्यालयों को ‘ड्रग फ्री कैम्पस’ के रूप में घोषित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग इस अभियान को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं, ताकि शिक्षण संस्थान नशे से पूरी तरह मुक्त परिसर के रूप में विकसित हो सकें और युवा पीढ़ी को स्वस्थ एवं सकारात्मक माहौल मिल सके।

ड्रग ट्रेफिकिंग पर निगरानी- श्रीनिवास ने निर्देश दिए कि नारकोटिक्स विभाग रसायनों की सूची (लिस्ट ऑफ केमिकल्स) जीएसटी विभाग को उपलब्ध कराए। साथ ही राज्य आबकारी परिवर्तन डेटा का सीबीएन पोर्टल तथा कस्टम्स के आईसीशेड के साथ एकीकरण किया जाए जिससे ड्रग ट्रेफिकिंग पर कड़ी निगरानी रखी जा सके।

अभियान को जन-आंदोलन बनाएं--मुख्य सचिव ने कहा कि अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए प्रचार माध्यमों से राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग

कांग्रेस का प्रहार : निकाय चुनाव में भाजपा सरकार पर गुंडागर्दी और आतंक फैलाने का आरोप



जयपुर, एजेंसी। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटसरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में दिया गया ज्ञापन; भाजपा के एजेंट बने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांगजयपुर: प्रदेश में हाल ही में संपन्न हुए नगर निकाय चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है। मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में राज्य निर्वाचन आयोग को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा?

प्रतिनिधिमंडल ने आयोग को सबूतों के साथ शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया कि ‘पाषंड लुटेरी भाजपा सरकार’ ने नगर निकाय चुनावों के दौरान प्रदेश भर में गुंडागर्दी और आतंक का माहौल पैदा

किया? नेताओं ने कहा कि स्थानीय स्तर पर शिकायतों के साथ-साथ पुलिस और प्रशासन के उन अधिकारियों के खिलाफ भी लिखित शिकायतें दी गई हैं, जो सत्तारूढ़ दल के एजेंट बनकर काम कर रहे थे। ‘अधिकारियों के नाम विधानसभा के स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होंगे ‘ कांग्रेस नेताओं ने कड़े शब्दों में आरोप लगाया कि नगर निकाय चुनाव में पूरी सरकारी मशीनरी, पुलिस-प्रशासन और सामान्य प्रशासन केवल पाषंडों की खरीद-फरोख्त और सरकार के पक्ष में माहौल बनाने में लगा हुआ था।

गोविंद सिंह डोटसरा ने चेतावनी देते हुए कहा कि संविधान की शपथ लेकर जो अधिकारी भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं, आने वाले समय में राजस्थान विधानसभा में उनके नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे, ताकि आने वाली पीढ़ी भी याद रख सके कि उनके पूर्वजों ने अधिकारी बनकर इतिहास के पन्नों में किस तरह अपनी भूमिका दर्ज कराई।

आदर्श विद्या मंदिर समिति कैसे वसूल रही सरकारी मैदान का किराया?

जयपुर, एजेंसी। राजधानी के आदर्श नगर स्थित सार्वजनिक खेल मैदान सूरज मैदान को आदर्श विद्या मंदिर स्कूल प्रबंध समिति द्वारा निजी संपत्ति की तरह किराए पर दिए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस गंभीर मामले में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने स्वायत्त शासन सचिव, जयपुर विकास प्राधिकरण के सचिव, नगर निगम ग्रेटर आयुक्त, जिला कलेक्टर और पुलिस आयुक्त से जवाब तलब किया है। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश पत्रकार कॉलोनी एवं श्रीराम मंदिर परिया विकास समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिया। अपीलार्थी की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी और योगेश टेलर ने कोर्ट को बताया कि आदर्श नगर योजना विकसित करते समय इस भूमि को पार्क के लिए छोड़ा गया था, जिसे बाद में खेल मैदान घोषित किया गया था। यह सूरज मैदान नगर निगम के स्वामित्व में है और आदर्श विद्या मंदिर स्कूल से सटा हुआ है।



आरोप है कि विद्यालय प्रबंध समिति इस सरकारी मैदान को अपने उपयोग में ले रही है और शार्दियों, धार्मिक व अन्य व्यावसायिक आयोजनों के लिए किराए पर दे रही है। इसके बदले में समिति चंदे के नाम पर मोटी रकम वसूल रही है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि

आयोजनों के दौरान उनके घरों के बाहर वाहन खड़े कर दिए जाते हैं और देर रात तक तेज आवाज में म्यूजिक बजने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार शिकायत करने के बावजूद जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

जोधपुर में पुलिस दबिश के दौरान तीसरी मंजिल से गिरा युवक, करंट लगने से मौत

जोधपुर, एजेंसी। जोधपुर के उदयमंदिर थाना क्षेत्र में नागौरी गेट थाना पुलिस की दबिश के दौरान एक दर्दनाक हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस कार्रवाई के दौरान घबराहट और अफरा-तफरी के बीच युवक मकान की तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया। नीचे गिरते समय वह बिजली की हाईटेंशन लाइन में उलझ गया, जिससे जोरदार धमाके के साथ करंट की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया।

गंभीर हालत में उसे महात्मा गांधी अस्पताल (स्व॥) ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद अस्पताल में परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस कार्यशैली के खिलाफ जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया।

दबिश के दौरान हुआ हादसा: हाईटेंशन लाइन से टकराकर नीचे गिरा युवकपुलिस के अनुसार, नागौरी गेट थाने की टीम बुधवार को उदयमंदिर क्षेत्र स्थित एक मकान पर दबिश देने पहुंची थी। पुलिसकर्मियों को देखते ही वहां मौजूद युवक सद्दाम (पेशा: टैक्सि चालक) घबरा गया और तीसरी मंजिल से नीचे गिर पड़ा।

नीचे गिरते वक्त वह सीधे



बिजली के तारों की चपेट में आ गया, जिससे तेज करंट लगा और वह झुलसी हुई हालत में जमीन पर आ गिरा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने तुरंत एंबुलेंस और वाहनों की मदद से उसे एमजीएच अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

परिजनों और स्थानीय जनप्रतिनिधि के गंभीर आरोप हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी

संख्या में परिजन, समाज के लोग और स्थानीय पाषंड राजू भाटी महात्मा गांधी अस्पताल की इमरजेंसी विंग और मॉर्चयूरी के बाहर एकत्र हो गए। परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर सीधे तौर पर गंभीर आरोप लगाए हैं:

धक्का देने का आरोप: पाषंड राजू भाटी ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने धक्का-मुक्की के दौरान सद्दाम को तीसरी मंजिल से नीचे गिराया, जिससे उसकी मौत हुई।

संस्कृत भाषा हमारी महत्वपूर्ण धरोहर, इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं : वी. श्रीनिवास

जयपुर, एजेंसी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में संस्कृत शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संस्कृत भाषा एवं शिक्षा के संरक्षण, संवर्धन और विभागीय गतिविधियों की प्रगति पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि संस्कृत समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे सभी क्षेत्रों में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने संस्कृत भाषा में उपलब्ध ताम्रपत्रों का उचित कैटलॉग तैयार कर उनका डिजिटल रूपांतरण करने के निर्देश दिए, ताकि इस ऐतिहासिक सामग्री को सुरक्षित रखते हुए भावी पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाया जा सके।

मुख्य सचिव ने संस्कृत के अध्ययन, अनुसंधान और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। इनमें प्रदेश और देश के प्रमुख विद्वानों एवं विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाए।

संस्कृत शिक्षा को रोजगार एवं कैरियर से जोड़ने पर जाएं— मुख्य सचिव ने संस्कृत विद्यालयों में संचालित कार्यक्रमों और पढ़ाए जा रहे विषयों की समीक्षा करते हुए शिक्षा को रोजगार एवं कैरियर के अवसरों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

उदयपुर : 72 घंटे के बजाय अब हर 48 घंटे में होगी पानी की सप्लाई, विधायक ताराचंद जैन की पहल पर अधिकारियों ने दिया आश्वासन



बारिश नहीं होने के कारण पानी की संभावित कमी को देखते हुए जल उत्पादन में कटौती आवश्यक थी, जिसके चलते 72 घंटे के अंतराल पर जलापूर्ति का निर्णय लिया गया था। हालांकि, विधायक के निर्देशों के बाद अधीक्षण अभियंता ने आश्चर्य किया कि विभाग एक तकनीकी टीम गठित कर प्रभावी कार्रवाई करेगा और शहरवासियों को 48 घंटे के अंतराल में ही पानी उपलब्ध कराने का हرسंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि

इस त्योहारी सीजन में जनता को जल संकट का सामना नहीं करने दिया जाएगा। जल स्रोतों के संवर्धन और वैकल्पिक व्यवस्था पर चर्चा बैठक में जल संकट से निपटने के लिए कई दीर्घकालिक प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि बड़ी झील से पटेल संकल तक पानी लाने, जयसमंद योजना की पुरानी पाइपलाइन को बदलने, कुएं-बावड़ियों से जल उत्पादन बढ़ाने और नवीन नलकूपों

के निर्माण के प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय जयपुर भेजे गए हैं। इस पर विधायक ने इन प्रस्तावों को सरकार से जल्द स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया।

कड़े निर्देश और जन-जागरूकता विधायक ने अधिकारियों को भी चर्चा हुई। अधीक्षण अभियंता ने शहर के सभी क्षेत्रों में समान जल वितरण सुनिश्चित करने, लीकेज रोकने, अवैध कनेक्शन हटाने और पानी का अपव्यय रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

याचिका में मांग की गई है कि खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त कर विकसित किया जाए और विद्यालय समिति द्वारा अब तक वसूले गए किराए की राशि को सरकारी खजाने में जमा करवाया जाए।

खेल पार्क में व्यावसायिक गतिविधियों का बोलबाला :

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूरज मैदान जो कि खेल मैदान है, वहां नगर निगम और आदर्श विद्या मंदिर स्कूल की मिलीभगत से खुलेआम व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। धार्मिक आयोजनों की आड़ में मेले लगाए जा रहे हैं और स्टॉलों को 15,000 रुपये प्रति दुकान के हिसाब से बेचा जा रहा है। जानकारी के अनुसार अगले माह 15, 16 और 17 अक्टूबर को होने वाले एक बड़े आयोजन में करीब 25 दुकानें लगाई जानी हैं, जिससे लाखों रुपये की वसूली होगी। लेकिन यह पैसा कहाँ जाता है और किस मद में खर्च होता है, इसका कोई

हिसाब-किताब नहीं है। यह सीधे तौर पर कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन है। पूर्व में भी इस तरह की गतिविधियों पर कोर्ट नगर निगम को फटकार लगा चुका है। खेल मैदान को दुर्दशा, बच्चों के भविष्य पर कुदाराघात: एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि 2034 तक राष्ट्रीय खेलों में देश के बच्चे अपनी शारीरिक दक्षता दिखाएं, वहीं दूसरी तरफ ऐसे सार्वजनिक खेल मैदानों को शादी-समारोह और बाजार में तब्दील करना बच्चों के भविष्य और मोदी के सपने पर कुदाराघात है। मैदान की वर्तमान स्थिति बेहद खराब है।

लंबे समय से यहां कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। चारों तरफ गंदगी, टूटी हुई बाड़ें और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। शाम के समय लोगों का टहलना भी सुरक्षित नहीं रहा। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मैदान को खेल गतिविधियों के लिए संरक्षित किया जाए और अवैध वसूली पर तुरंत रोक लगाई जाए।



‘लास्ट मैन इन टावर’ में अपने किरदार के बारे में मनोज बाजपेयी ने बात की

नेशनल अवॉर्ड विनर एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘लास्ट मैन इन टावर’ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिसर्पोन्स मिल रहा है। आईएनएस को दिए इंटरव्यू में मनोज ने बताया कि उनका किरदार परिवार में हमेशा ‘अच्छा इंसान’ और ‘बड़ा इंसान’ बने रहने की चाह में इतना आगे निकल जाता है कि वह अपने ही परिवार की जरूरतों को नजरअंदाज करने लगता है। मनोज बाजपेयी फिल्म में एक ऐसे रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी जिंदगी में खुद को हमेशा परिवार का सही और जिम्मेदार इंसान मानता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने परिवार के लिए बहुत कुछ किया है और जरूरत पड़ने पर हमेशा अपने भाइयों के साथ खड़ा रहा है। लेकिन, जब उसका बेटा उसे उसकी ही सोच का दूसरा पहलू दिखाता है, तो उसके लिए खुद को सही मानने की तस्वीर बदलने लगती है। बात करते हुए मनोज ने कहा, ‘मेरा किरदार हर चीज को सही और गलत के नजरिए से देखने का आदी है। उसके लिए किसी भी परिस्थिति को बीच

के रास्ते से देखने की गुंजाइश कम है। अगर मेरे किरदार की बैकस्टोरी को समझा जाए तो उसके बारे में कई बातें उसके बेटे के जरिए सामने आती हैं। वह परिवार में हमेशा खुद को अच्छा और दूसरों से बड़ा साबित करने की कोशिश करता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी मदद करके वह परिवार में अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहा है। यही सोच धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है।’ मनोज ने कहा, ‘‘अपने परिवार के लिए कुछ करने और खुद को परिवार का ‘बड़ा इंसान’ समझने की इस कोशिश में वह अपने सबसे करीबी परिवार को ही कहीं पीछे छोड़ देता है। उसे हमेशा लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए इतना कुछ किया है, इसलिए उसके फैसलों और त्याग की कद्र होनी चाहिए। लेकिन जब उसका बेटा उसके सामने यह बात रखता है कि उसकी इस सोच और व्यवहार का असर उसके अपने परिवार पर भी पड़ा है, तो उसके अंदर की पूरी तस्वीर हिल जाती है।’ उन्होंने कहा, ‘‘उस वक्त मेरे किरदार को एहसास होता है कि जिस काम को वह इतने समय से अपनी सबसे बड़ी

अच्छाई मानता आया था, वही उसके आसपास के लोगों के लिए परेशानी की वजह भी बन रहा था। कई बार हम अपनी ही अच्छाई या महानता के इतने आदी हो जाते हैं कि यह देखना बंद कर देते हैं कि हमारी वही ‘महानता’ दूसरों के लिए किस तरह मुश्किलें पैदा कर रही है।’ उन्होंने कहा, ‘‘इंसान अक्सर अपने किए हुए कामों को एक खास नजरिए से देखता है और खुद को सही साबित करने की कोशिश करता रहता है। असल चुनौती खुद को समझने की होती है। मेरे किरदार के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है, जहां उसे अपनी सोच और अपने फैसलों को एक अलग नजरिए से देखने का मौका मिलता है।’ ‘‘लास्ट मैन इन टावर’ अरविंद अडिगा के इसी नाम के नॉवेल पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलती मुंबई की पृष्ठभूमि में सेट है। इसमें मनोज के किरदार की जिंदगी तब बदल जाती है, जब एक बड़ा बिल्डर उस पुरानी इमारत के सभी लोगों को अच्छी रकम देकर घर खाली करने का ऑफर देता है। ज्यादातर लोग इस ऑफर को स्वीकार करने के लिए तैयार हो जाते हैं, क्योंकि



क्या ‘बिग बॉस 20’ में आएंगे करण वाही

रियलिटी शो बिग बॉस का 20वां सीजन इन दिनों चल रहा है। सलमान खान बतौर होस्ट कमान संभाल रहे हैं। इस बीच, एक्टर करण वाही के ‘बिग बॉस 20’ में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि वे इस रियलिटी शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री कर सकते हैं। इसे लेकर करण वाही ने चुप्पी तोड़ी है।

अफवाहों को किया खारिज

‘बिग बॉस 20’ में करण वाही की एंट्री की खबरें सिर्फ अफवाह हैं। इन अफवाहों पर अब खुद करण ने विराम लगा दिया है। फैस के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान, करण वाही ने इन अटकलों पर बात की और साफ किया कि उनका पहले का जिक्र असल में उनके पसंदीदा कार्ड गेम ऊनो के बारे में था, न कि रियलिटी शो में उनके शामिल होने का कोई संकेत था। बिग बॉस 20 में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए वाही ने कहा, ‘‘मैं ऊनो की बात कर रहा था, जो मेरा पसंदीदा कार्ड है। आप लोगों को भी चिल नहीं है लाइफ में। हर चीज का कोई न कोई दूसरा मतलब निकालना होता है। मैं बिग बॉस में आ रहा हूँ... कम से कम इस साल तो नहीं।’ बता दें कि अभिनेता की यह प्रतिक्रिया उन अफवाहों के बीच आई है कि वे ‘बिग बॉस 20’ के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर जा सकते हैं। कुछ दर्शकों के बीच इन अफवाहों को इसलिए भी हवा मिली, क्योंकि उदित सिंह, जो कथित तौर पर उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड रही हैं, अभी शो में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हैं।



‘संस्कार’ की कहानी ने मुझे एक्सपेरिमेंट करने के लिए किया मजबूर

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट ‘संस्कार’ को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने अब तक के म्लेमरस अंदाज से बिल्कुल अलग एक साधारण गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने आईएनएस से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें पहली बार इस प्रोजेक्ट का ऑफर मिला था, तो वह इसे लेकर थोड़ी झिझक में थीं लेकिन कहानी ने उनका ध्यान अपनी ओर खींचा। बातचीत में मुग्धा ने कहा, ‘‘मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं किया था, इसलिए ऑफर मिलने पर मेरे मन में थोड़ी हिचक थी। शो की कहानी ऐसी थी जिसने मुझे इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक किया। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को नए किरदारों में आजमाना चाहती थीं और कुछ ऐसा करना चाहती थीं, जो मेरे लिए एक चैलेंज हो।’ मुग्धा ने कहा, ‘‘शूटिंग शुरू होने के बाद मेरी शुरुआती झिझक पूरी तरह दूर हो गई। जैसे-जैसे मैं प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती गई, मुझे महसूस हुआ कि इसे करने का

फैसला सही था। इस तरह के शो बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूँ। जब मुझे पता चला कि इसे डीडी नेशनल के साथ-साथ उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब्स ओटीटी पर भी टेलीकास्ट किया जाएगा, तो मेरी खुशी और बढ़ गई।’ मुग्धा गोडसे ने डीडी नेशनल से अपने जुड़ाव को भी खास बताया। उन्होंने कहा, ‘‘यह भारत के सबसे पुराने और लोकप्रिय चैनलों में से एक है। हम सभी डीडी देखते हुए बड़े हुए हैं और अब जब चैनल अपने प्रोफाइल को नए तरीके से बदल रहा है, तो उसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत एक्साइटिंग था।’ ‘संस्कार’ हर किसी के लिए है और यह हमें परिवार की अहमियत और उसकी असली बुनियाद के बारे में बताता है। इसे जरूर देखें और मुझे बताएं कि आपको यह कैसा लगा।’ ‘‘संस्कार’ एक फैमिली ड्रामा है, जिसमें जिंदगी के अलग-अलग रंगों को उसके अच्छे और मुश्किल दौर के जरिए दिखाया गया है।

ऋतिक रोशन के साथ एक छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजवता कोली की जिंदगी ऐसे शुरू हुआ यूट्यूब का सफर

आज प्राजवता कोली को लोग एक सफल कंटेंट क्रिएटर, एक्टर और राइटर के तौर पर जानते हैं। ‘मोस्टली सेन’ के नाम से उन्होंने डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई और बाद में एक्टिंग में भी कदम रखा। एक समय ऐसा था जब प्राजवता सिर्फ रेडियो जॉकी बनने का सपना देखती थीं और इसी सपने को पूरा करने के लिए एक रेडियो स्टेशन में इंटरनशिप कर रही थीं। उन्हें नहीं पता था कि एक दिन रेडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा बदल देगा। प्राजवता ने हाल ही में ‘पहला पहला’ के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, ‘‘मैं ठाणे में पली-बढ़ी और बचपन में रेडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थीं। इसी वजह से मैंने रेडियो स्टेशन में इंटरन के तौर पर काम करना शुरू किया। उस वक्त फिल्म ‘बैंग बैंग’ रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन फिल्म के प्रमोशन के लिए रेडियो स्टेशन आए थे।’

प्राजवता ने आगे बताया, ‘‘रेडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वहां एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के गानों पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटरन थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं

बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूँ। मैं डांस करने के लिए तैयार हो गई और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे।’

प्राजवता ने बताया, ‘‘डांस के बाद सुदीप ने मेरा ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप मेरे पास आए और पूछा कि क्या मैं इस तरह के वीडियो बनाती हूँ। मैंने साफ कहा कि नहीं, मैं ऐसा कुछ नहीं करती।’ उन्होंने कहा, ‘‘इसके बाद सुदीप ने मुझे अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि मुझे यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए। उस समय मुझे यूट्यूब के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। मुझे यह तक नहीं पता था कि यूट्यूब पर कंटेंट बनाकर करियर कैसे बनाया जाता है। मेरे लिए उस वक्त सबसे बड़ा लक्ष्य रेडियो जॉकी बनना था।’

प्राजवता ने अपने उस दौर की आर्थिक स्थिति को भी याद किया। उन्होंने कहा, ‘‘मैं इंटरन थी और बहुत ज्यादा पैसे नहीं कमा रही थी। उस समय मुझे स्काइप का इस्तेमाल करने में भी पैसे खर्च करने पड़ते थे। ऐसे में यूट्यूब पर काम करना मुझे कोई करियर के लिए अच्छा ऑप्शन नहीं लगा। मैं सोचती थी कि अगर मुझे रेडियो जॉकी की नौकरी नहीं मिली तो मैं प्रोड्यूसर की नौकरी कर लूंगी।’ उन्होंने कहा, ‘‘लेकिन समय के साथ यूट्यूब का यह आइडिया मेरे दिमाग में बैठने लगा। आगे चलकर मैंने ‘मोस्टली सेन’ के नाम से अपना कंटेंट बनाना शुरू किया। मेरे रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े वीडियो लोगों को पसंद आने लगे और देखें ही देखते यह डिजिटल दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम बन गया। जिस प्लेटफॉर्म को लेकर शुरुआत में मुझे खुद ज्यादा जानकारी नहीं थी, वही आगे चलकर मेरे करियर का बड़ा हिस्सा बन गया।’ कंटेंट क्रिएशन के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और ‘मिसमेख’ से दर्शकों के बीच पहचान बनाई। इसके अलावा वह यूट्यूब के ‘क्रिएटर्स फॉर चेंज’ प्रोग्राम का हिस्सा बनीं और मिशेल ओबामा के साथ भी काम किया।



‘उड़ता तीर’ और ‘ये प्रेम मोल लिया’ में दिखेगा आयुष्मान खुराना का बिल्कुल अलग अंदाज

आयुष्मान खुराना बड़े पर्दे पर लगातार दो फिल्मों के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं और दोनों फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। सबसे पहले ‘उड़ता तीर’ रिलीज होगी, जो सारा अली खान के साथ एक तेज-रफतार स्पाई कॉमेडी है और इसका निर्देशन आकाश कोशिक ने किया है। इसके बाद सुरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी और शरवरी अभिनीत म्यूजिकल फैमिली ड्रामा ‘ये प्रेम मोल लिया’ रिलीज होगी। दो फिल्में, दो अलग-अलग दुनिया और अभिनय की दो बिल्कुल अलग चुनौतियां आयुष्मान के करियर के उस पहलू को रेखांकित करती हैं, जो शुरुआत से ही उनकी पहचान का हिस्सा रहा है—वह खुद को किसी एक जॉनर तक सीमित किए बिना लगातार अलग-अलग जॉनर के बीच सहजता से अपनी जगह बनाते रहे हैं। आकाश कोशिक के निर्देशन में बनी और धर्मा प्रोडक्शंस तथा सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित उड़ता तीर जासूसी की दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में हाई-स्टेक्स पेट्रियोटिक एक्शन और कॉमिक अराजकता का मेल देखने को मिलेगा। आयुष्मान फिल्म की एक अप्रत्याशित कहानी के केंद्र में हैं, जहां किसी को भी पूरी तरह पता नहीं है कि आखिर हो क्या रहा है। इसके बाद आयुष्मान ये प्रेम मोल लिया के साथ एक बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया में प्रवेश करेंगे। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म शरवरी के साथ उनकी नई जोड़ी को पेश करती है और निर्देशक की सिग्नेचर इमोशनल और फैमिली-केन्द्रित कहानी कहने की शैली को एक मजबूत म्यूजिकल कोर के साथ जोड़ती है। हिमेश रेशमिया के संगीत से सजी यह

फिल्म आयुष्मान को हिंदी सिनेमा की भावनात्मक और संगीतप्रधान दुनिया में वापस ले जाती है, जहां कहानी प्यार, परिवार और रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। आयुष्मान खुराना ने कहा, अपनी पहली फिल्म से ही मैं दर्शकों को सरप्राइज करना चाहता था और, उससे भी ज्यादा, एक अभिनेता के तौर पर खुद को सरप्राइज करना चाहता था। मैंने कभी खुद को किसी एक इमेज या जॉनर तक सीमित रखने में विश्वास नहीं किया, चाहे वह सोशल कॉमेडी हो, कोई अनकही-सी प्रेम कहानी, ड्रैफ्ट ड्रामा, देशभक्ति पर आधारित कॉमेडी या म्यूजिकल फैमिली सांगा। उन्होंने कहा, मेरे लिए हर फिल्म एक नए इमोशन को एक्सप्लोर करने और अपने व्यक्तित्व के एक अलग पहलू को सामने लाने का मौका होती है। यह बात मेरे लिए बेहद खास है कि इन लगातार बदलावों के बावजूद दर्शकों ने मुझे स्वीकार किया है। मैं आगे भी रिस्क लेना चाहता हूँ, ऐसी कहानियां चुनना चाहता हूँ जो मुझे चुनौती दें और ऐसे परफॉर्मेंस देना चाहता हूँ जो दर्शकों को हर बार अनुमान लगाने पर मजबूर करें।

